न्यूज़ टुडे

श्रमिकों के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा मॉडल का मसौदा तैयार करने के लिए तीन समितियां गठित की गईं

ये समितियां **केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और राज्य सरकारों** द्वारा गठित की गई हैं। ये **गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स सहित असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा मॉडल** तैयार करेंगी।

- प्रत्येक समिति में **पांच राज्य** शामिल होंगे।
- इसके अलावा, मंत्रालय ने गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक समर्पित **सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना** विकसित करने का प्रस्ताव दिया है।

सामाजिक सुरक्षा और इसके लिए व्यापक योजना की आवश्यकता क्यों है?

- **परिभाषा:** सामाजिक सुरक्षा उन उपायों को प्रस्तुत करती है, जो विशेष रूप से बुढ़ापे, बेरोजगारी, बीमारी, दिव्यांगता और कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की स्थिति में स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता एवं आय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए जाते हैं।
- **इसकी आवश्यकता क्यों हैं?**
  - कुल कार्यबल का लगभग **94% हिस्सा असंगठित क्षेत्रक में कार्यरत** है।
    - इस क्षेत्रक में काम करने वाले श्रमिकों को अक्सर सामाजिक सुरक्षा कानूनों के तहत संरक्षण नहीं मिलता है।
  - **बदलती पारिवारिक संरचना:** पहले भारत की संयुक्त परिवार व्यवस्था सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती थी, लेकिन अब यह व्यवस्था कमजोर हो रही है।
  - **अन्य:** बेरोजगारी में वृद्धि और ऑटोमेशन के प्रभाव आदि के कारण सामाजिक सुरक्षा की जरूरत बढ़ रही है।

भारत में सामाजिक सुरक्षा प्रणाली की वर्तमान व्यवस्था

- **सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020:** इसमें 9 केंद्रीय श्रम कानून शामिल हैं। जैसे- कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952, रोजगार कार्यालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) अधिनियम, 1959, मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 आदि।
  - यह केंद्र सरकार द्वारा एक **सामाजिक सुरक्षा कोष की स्थापना** का प्रावधान करती है।
- **जीवन और दिव्यांगता कवरेज:** उदाहरण के लिए- **प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)** और **प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)**।
- **वृद्धावस्था लाभ/पेंशन कवरेज:** उदाहरण के लिए- **व्यापारियों और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के लिए प्रधान मंत्री श्रम योगी मानधन (PM-SYM) योजना और राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS)**।

एक नए अध्ययन से पता चला है कि सुंदरवन प्राकृतिक और मानव निर्मित संकट का सामना करने में किस तरह से सक्षम है

यह अध्ययन **IIT बॉम्बे, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (कोलकाता) और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (इसरो), हैदराबाद** के शोधकर्ताओं ने किया है। इस अध्ययन से यह तथ्य उजागर हुआ है कि **सुंदरवन चरम मौसम और प्रदूषण** को सहने में सक्षम है, लेकिन **उसकी स्वयं की पुनर्बहाली करने की क्षमताओं की भी सीमाएं हैं।**

अध्ययन में सुंदरवन के मैंग्रोव से संबंधित मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:

- **चरम मौसमी दशाओं को सहने में सक्षम:** मैंग्रोव ने चक्रवातों और तूफानों जैसी चरम मौसमी घटनाओं को काफी हद तक सहने की क्षमता को प्रदर्शित किया है तथा वे आपदाओं से प्रभावित होने के **1-2 सप्ताह बाद ही पुनः सामान्य** हो जाते हैं।
- **पोषक तत्व स्थिरता: मानवजनित जल प्रदूषण** के कारण **पोषक तत्व संरचना में गिरावट** के बावजूद मैंग्रोव की उत्पादकता स्थिर बनी रहती है। यह संकट के दौरान भी मैंग्रोव की सुचारू कार्यप्रणाली की क्षमता को दर्शाता है।
- **बेहतर लिंक स्ट्रेंथ और मेमोरी: मैंग्रोव जल-मौसम विज्ञान संबंधी घटकों** (जैसे- वर्षा, तापमान व वायु गति) के साथ **लिंक स्ट्रेंथ और मेमोरी में वृद्धि** करके अपनी उत्पादकता को स्थिर या संतुलित बनाए रखते हैं।
  - पादप में मेमोरी का अर्थ चक्रवात जैसी अतीत की प्रतिकूल घटनाओं के प्रति की गई प्रतिक्रियाओं को **"याद रखना" और उन्हें भविष्य में उपयोग हेतु संग्रहित** करना है।

मैंग्रोव के बारे में

- **परिभाषा:** मैंग्रोव एक **काष्ठीय वृक्ष है, जो समुद्र और भूमि के बीच** कुछ समय के लिए ज्वार से जलमग्न रहने वाले क्षेत्रों में पाया जाता है।
- **मैंग्रोव प्रजाति की मुख्य विशेषताएं**
  - मैंग्रोव समुद्र के पास **खारे पानी में पनपने वाले एकमात्र वृक्ष हैं।**
  - यह **उच्च कार्बन घनत्व और उच्च कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन** के कारण **वैश्विक कार्बन बजट** का एक अनिवार्य घटक है।
  - इन्हें अक्सर **'ब्लू फॉरेस्ट' या 'वेटलैंड इकोसिस्टम इंजीनियर'** कहा जाता है।
- **भारत में मैंग्रोव (सुंदरवन के अलावा): भितरकनिका** (ओडिशा), **पिचावरम वन** (तमिलनाडु), **चोराओ द्वीप** (गोवा), **कच्छ की खाड़ी** (गुजरात), **वेम्बनाड कोल** (केरल), **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** आदि।

सुंदरवन के बारे में

- **अवस्थिति:** सुंदरवन वन दक्षिण एशिया (भारत और बांग्लादेश) में **गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना डेल्टा** में स्थित है।
- **वैश्विक महत्त्व:**
  - यह विश्व का **सबसे बड़ा सतत या अविखंडित मैंग्रोव वन** है।
  - इसे **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के रामसर स्थल** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **खतरा:** भारतीय सुंदरवन को **पारिस्थितिकी-तंत्र की IUCN रेड लिस्ट के तहत 2020 के आकलन में एंडेंजर्ड** के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
- **पारिस्थितिकी-तंत्र सेवाएं:** यह तटीय समुदायों को बाढ़ से बचाने के लिए रक्षा की पहली पंक्ति के रूप में कार्य करता है; यह लाखों लोगों की आजीविका और नीली अर्थव्यवस्था का समर्थन करता है, आदि।

रामसर कन्वेंशन के अंतर्गत भारत से चार और आर्द्रभूमियां शामिल की गईं

इसके बाद **रामसर कन्वेंशन के अंतर्गत भारत की आर्द्रभूमियों की संख्या 85 से बढ़कर 89** हो गई हैं। यह **एशिया में सबसे बड़ी संख्या है, जबकि विश्व स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी संख्या** है। इन चार आर्द्रभूमियों को **तमिलनाडु, सिक्किम** और **झारखंड** से शामिल किया गया है।

- **तमिलनाडु 20 रामसर स्थलों** के साथ सबसे आगे है, जो भारतीय राज्यों में सबसे ऊपर है।
- **सिक्किम** और **झारखंड** से **पहले** रामसर स्थल हैं।

4 नए रामसर स्थलों के बारे में

सक्काराकोत्तई पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)	• **स्थान: मन्नार की खाड़ी के पास, मध्य एशियाई फ्लाईवे** पर स्थित है। • **ऐतिहासिक महत्त्व: सक्काराकोत्तई हौज को 1321 ईस्वी** में **कुडिमारमट्टू** (सामुदायिक भागीदारी) के जरिए बनाया गया था। • यहां **पेंटेड स्टॉर्क, ब्लैक-हेडेड आइबिस** आदि प्रजातियां पाई जाती हैं।
थेरथांगल पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)	• **स्थान: मन्नार की खाड़ी के पास, मध्य एशियाई फ्लाईवे** पर स्थित है। • यह **पेंटेड स्टॉर्क, ब्लैक-हेडेड आइबिस, स्पॉट-बिल्ड पेलिकन** आदि प्रजातियों का पर्यावास है। • यह **बबूल (अकेसिया निलॉटिका) वृक्षों** के लिए भी विख्यात है।
खेचेओपलरी वेटलैंड (सिक्किम)	• इसे **विशिंग लेक** के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह इच्छाएं पूरी करती है। स्थानीय रूप से इसे **शो ज़ो शो ("ओह लेडी, सिट हियर")** कहा जाता है। ○ इसे मूल रूप से **खा-चोट-पालरी** भी कहा जाता है। इसका अर्थ **"पद्मसंभव का स्वर्ग"** है। • यह **सर्क (Cirque) प्रकार** की आर्द्रभूमि है। इसे **बौद्ध और हिंदू** दोनों द्वारा **पवित्र** माना जाता है।
उधवा झील (झारखंड)	• इसका नाम **भगवान कृष्ण** के मित्र, **महाभारत के संत उद्धव** के नाम पर रखा गया है। • इसे **वन्यजीव अभयारण्य और महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA)** घोषित किया गया है। ○ इस अभयारण्य में दो जल निकाय हैं - **पटौरन और बरहले।** • यह **हाउस स्विफ्ट, फिशिंग ईगल और ब्राह्मिनी काइट** जैसी पक्षी प्रजातियों का पर्यावास है।

आर्द्रभूमियों पर रामसर कन्वेंशन के बारे में

- इसे **1971 में रामसर (ईरान)** में अपनाया गया था।
- **उद्देश्य:** आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग हेतु राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के लिए एक फ्रेमवर्क प्रदान करना।
- **2 फरवरी** को **विश्व आर्द्रभूमि दिवस** मनाया जाता है।

केंद्र सरकार ने निजी कंपनियों को सेवा वितरण के लिए आधार सत्यापन का उपयोग करने की अनुमति दी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने **"सुशासन के लिए आधार सत्यापन (सामाजिक कल्याण, नवाचार व ज्ञान) संशोधन नियम, 2025"** अधिसूचित किए हैं। यह अधिसूचना **2020 के नियमों में बदलाव के लिए जारी** की गई है।

- ये नियम **आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडियों, प्रसुविधाओं और सेवाओं का लक्षित परिदान) अधिनियम, 2016** के तहत अधिसूचित किए गए हैं।

वर्ष 2020 के नियमों में किए गए नए संशोधन

- **"आसान जीवन" (Ease of Living) के लिए आधार सत्यापन का विस्तार:** इस संशोधन से **सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं को जनहित में आधार सत्यापन** के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने की अनुमति मिल गई है।
  - इस संशोधन के माध्यम से **ई-कॉमर्स, यात्रा, पर्यटन, आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) और स्वास्थ्य सेवा** जैसे क्षेत्रकों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं को कवर किया गया है।
- **आधार सत्यापन के अनुरोधों की मंजूरी प्रक्रिया को आसान** बनाया गया है।
  - आधार सत्यापन का उपयोग करने के इच्छुक संस्थानों को एक अलग पोर्टल के जरिए **संबंधित मंत्रालय या विभाग के पास आवेदन** करना होगा।
  - **भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI)** इन आवेदनों की समीक्षा करेगा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) उसकी सिफारिशों के आधार पर मंजूरी देगा।
  - MeitY की पुष्टि के बाद, संबंधित मंत्रालय या विभाग **संस्था को अनुमति देने संबंधी अधिसूचना** जारी करेगा।

नए संशोधनों का महत्त्व:

- **गवर्नेंस में सुधार होगा और नवाचार को बढ़वा मिलेगा:**
  - आधार सत्यापन का उपयोग करने से **इनोवेटिव डिजिटल समाधान के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।**
  - **सरकारी और निजी संस्थाओं के बीच सहयोग** को बढ़ावा मिलेगा। इससे प्रशासनिक कार्यों में सुधार होगा।
- **विश्वसनीय लेन-देन को बढ़ावा:** आधार सत्यापन के उपयोग से **सेवा प्रदाता और सेवा प्राप्तकर्ता के बीच सुरक्षित एवं विश्वसनीय लेन-देन** सुनिश्चित होंगे।
- **प्रभावी सेवा वितरण को बढ़ावा:** आधार-नंबर आधारित सेवाओं के वितरण की प्रक्रियाओं को **तेज और अधिक प्रभावी** बनाया जा सकेगा।

आधार (Aadhaar) नंबर के बारे में:

- यह **12-अंकों की विशिष्ट संख्या** है, जिसे **भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI)** जारी करता है।
  - UIDAI **एक सांविधिक प्राधिकरण है।** इसे **आधार अधिनियम, 2016** के तहत स्थापित किया गया है।
- आधार नंबर में **जनसांख्यिकीय डेटा (नाम, लिंग, जन्मतिथि व पता)** और **बायोमेट्रिक डेटा (फिंगरप्रिंट, आइरिस स्कैन और चेहरे की फोटो)** शामिल होते हैं।
- **आधार अधिनियम, 2016 की धारा 7:** सरकार **केंद्र या राज्यों की संचित निधि से वित्त पोषित योजना** का लाभ या सब्सिडी प्राप्त करने हेतु **लाभार्थियों के लिए आधार नंबर को अनिवार्य** बना सकती है।
- **आधार मेटा डेटा:** सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, **आधार डेटा को 6 महीने से अधिक समय तक संग्रहीत नहीं** किया जा सकता।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री ने संसद के समक्ष 'आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25' प्रस्तुत किया

आर्थिक सर्वेक्षण **भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन और सरकारी नीतियों के साथ-साथ आगामी वित्त वर्ष के लिए आउटलुक** का संकलन है।

- **संकलनकर्ता:** इसे **मुख्य आर्थिक सलाहकार (CEA)** के मार्गदर्शन में तैयार किया जाता है। इसे **केंद्रीय वित्त मंत्रालय का आर्थिक कार्य विभाग** तैयार करता है।
- **आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 का फोकस:** विनियमन के माध्यम से घरेलू संवृद्धि और लचीलापन बढ़ाना।

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद:** यह चालू वित्त वर्ष (2025) में **अर्थव्यवस्था के मांग पक्ष** से आर्थिक गतिविधि को दर्शाता है। यह आगामी वर्ष (वित्त वर्ष 2026) में **6.4%** आंका गया है।
- **हेडलाइन मुद्रास्फीति (समग्र मूल्य स्तर में वृद्धि की माप): कोर मुद्रास्फीति में कमी** आने के कारण **हेडलाइन मुद्रास्फीति में भी कमी** आ रही है।
  - **कोर मुद्रास्फीति:** खाद्य और ऊर्जा को छोड़कर वस्तुओं एवं सेवाओं में मुद्रास्फीति होती है।
- **वैश्विक चुनौतियों के बीच निर्यात वृद्धि:** वित्त वर्ष 2025 के पहले 9 महीनों में कुल निर्यात (वस्तु + सेवा) 600 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया था।
- **सर्वेक्षण में व्यक्त की गई चिंताएं:**
  - **प्रतिकूल वैश्विक आर्थिक परिवेश:** बढ़ते व्यापार संरक्षणवाद ने वैश्विक व्यापार और निवेश को धीमा कर दिया है।
  - **चीन का विनिर्माण क्षेत्रक में प्रभुत्व:** वैश्विक उत्पादन में चीन का योगदान एक तिहाई है, जो अगले 10 बड़े देशों के संयुक्त उत्पादन से भी अधिक है।
  - **भारत के सामने कई बाधाएं हैं:** एक महत्वाकांक्षी अर्थव्यवस्था की बुनियादी संरचना और निवेश आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक पैमाने एवं गुणवत्ता पर क्रिटिकल गुड्स का उत्पादन करना।

सर्वेक्षण में की गई सिफारिशें

- **अर्थव्यवस्था को विनियमन मुक्त करना:** आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देने; व्यापार करने की लागत को कम करने तथा रोजगार और आय सृजन को बढ़ावा देने के लिए विनियमनों को सरल बनाना चाहिए।
- **बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान:** भौतिक, डिजिटल और सामाजिक बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक व्यय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। **विकसित भारत@2047 के तहत परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्रक की भागीदारी महत्वपूर्ण** होगी।
- **बाधा न बनना:** व्यवसायों को अपने मूल मिशन पर ध्यान केंद्रित करने की सुविधा प्रदान कर सरकारें महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इससे नवाचार को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

कर्नाटक सरकार ने असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीजों को "सम्मान के साथ मरने का अधिकार" दिया

राज्य सरकार ने यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के अनुरूप लिया है, जिसमें यह कहा गया था कि **असाध्य बीमारी से ग्रसित मरीजों को "सम्मान के साथ मरने का अधिकार (Right to Die with Dignity)"** प्राप्त है।

- यह **निर्देश लागू करने वाला कर्नाटक, देश का दूसरा राज्य** है। **ऐसा पहला राज्य केरल है।**

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के मुख्य बिंदु

- **कॉमन कॉज बनाम भारत संघ एवं अन्य (2018) मामले में,** सुप्रीम कोर्ट ने **"सम्मान के साथ मरने के अधिकार" को अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार** माना था। इसी निर्णय में **निष्क्रिय इच्छामृत्यु (Passive Euthanasia) की कानूनी वैधता को बरकरार** रखा गया था।
  - **इच्छामृत्यु (Euthanasia)** का अर्थ है किसी रोगी के जीवन को जानबूझकर समाप्त करना, जिससे **उसे असहनीय पीड़ा और लाइलाज बीमारी से मुक्ति** मिल सके।
- **2023 में,** सुप्रीम कोर्ट ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु के लिए **अग्रिम चिकित्सा निर्देशों (Advance Medical Directives) को लागू करने के तरीके** पर पहले की संविधान पीठ के कुछ निर्देशों को और सरल बना दिया था।

निष्क्रिय इच्छामृत्यु (Passive Euthanasia) के बारे मे

- इसके तहत **लाइफ-सस्टेनिंग ट्रीटमेंट (LST) यानी जीवनरक्षक उपचार को रोक दिया जाता है या हटा दिया** जाता है। यह उन असाध्य बीमारियों के मरीजों के लिए उपलब्ध है, जो लंबे समय से इलाज करा रहे हैं, लेकिन उनके ठीक होने की कोई संभावना नहीं है और वे **स्वयं निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं।**
  - इसके विपरीत, **सक्रिय इच्छामृत्यु (Active Euthanasia)** में किसी असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज के स्वैच्छिक आग्रह पर जानबूझकर उसे मृत्यु देना है।
    - भारत में **सक्रिय इच्छामृत्यु गैर-कानूनी** है।
- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने **"असाध्य बीमारी से ग्रसित मरीजों के लिए जीवनरक्षक उपचार की वापसी पर दिशा-निर्देश"** का ड्राफ्ट जारी किया है। (बॉक्स देखिए)।

असाध्य बीमारी से ग्रसित मरीजों के लिए जीवन-रक्षक उपचार की वापसी पर दिशा-निर्देश

- **जीवन-रक्षक उपचार (LST) को कुछ विशेष परिस्थितियों में वापस** लिया जा सकता है। जैसे जब किसी व्यक्ति को ब्रेनस्टेम डेथ घोषित किया जाता है।
- **प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड (PMB) और द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड (SMB)** का गठन किया जाएगा:
  - प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड के सदस्य **सर्वसम्मति से जीवन-रक्षक उपचार को रोकने** का निर्णय लेंगे।
  - **द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड को प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड के निर्णय की पुष्टि** करनी होगी।
- अस्पतालों में एक **क्लिनिकल एथिक्स कमेटी** गठित की जाएगी। यह **ऑडिट, निगरानी और विवाद समाधान** का कार्य करेगी।

अन्य सुर्ख़ियां

गुनेरी अंतर्देशीय मैंग्रोव

गुजरात सरकार ने **"गुनेरी के अंतर्देशीय मैंग्रोव" को जैव विविधता विरासत स्थल (Biodiversity Heritage Site)** के रूप में अधिसूचित किया है। यह स्थल **कच्छ जिले** में स्थित है।

- यह **गुजरात का पहला जैव विविधता विरासत स्थल** है।
- इसे **जैव विविधता अधिनियम, 2002** के तहत **जैव विविधता विरासत स्थल** अधिसूचित किया गया है।

'गुनेरी अंतर्देशीय मैंग्रोव' के बारे में

- गुनेरी के मैंग्रोव वन वास्तव में **अरब सागर तट से 45 किलोमीटर और कोरी क्रीक से 4 किमी दूर अवस्थित** हैं। इस तरह यह **अंतर्देशीय मैंग्रोव पारिस्थितिकी-तंत्र** है।
  - अंतर्देशीय मैंग्रोव वन **विश्व में दुर्लभ** हैं।
  - पारंपरिक मैंग्रोव पारिस्थितिकी-तंत्र समुद्र के तटों पर होते हैं। इसके विपरीत, **अंतर्देशीय मैंग्रोव वनों तक समुद्री ज्वार का जल नहीं** पहुंचता है और यहां **कीचड़ या दलदली जमीन नहीं** होती है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार **दुनिया में केवल आठ अंतर्देशीय मैंग्रोव वन** हैं। इनमें **गुनेरी अंतर्देशीय मैंग्रोव** भी शामिल है।
- **गुनेरी अंतर्देशीय मैंग्रोव** वन में लगभग **20 प्रकार की प्रवासी और 25 प्रकार की रेजिडेंट प्रवासी पक्षी प्रजातियां** पाई जाती हैं।

न्यूट्रिनो

3 किलोग्राम से कम वजन वाले एक छोटे डिटेक्टर ने सफलतापूर्वक **एंटीन्यूट्रिनो** की पहचान की है, जो **न्यूट्रिनो के एंटीमैटर के समकक्ष** हैं।

न्यूट्रिनो के बारे में

- न्यूट्रिनो **सब-एटॉमिक पार्टिकल्स** होते हैं। इनमें **विद्युत आवेश नहीं** होता है और इनका **द्रव्यमान अत्यंत कम या शून्य** भी हो सकता है।
- वे **ब्रह्मांड में दूसरे सबसे प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले पार्टिकल** में हैं। पहले स्थान पर **फोटोन्स** हैं।
- न्यूट्रिनो केवल **कमजोर परमाणु बल और गुरुत्वाकर्षण** के माध्यम से पदार्थ के साथ अंतर्क्रिया करते हैं। इससे उनका पता लगाना अविश्वसनीय रूप से कठिन हो जाता है।
- **न्यूट्रिनो पार्टिकल प्रकाश की गति से कुछ कम गति से यात्रा** करते हैं। इनका **पता लगाना काफी कठिन** होता है, इसलिए इन्हें **"घोस्ट पार्टिकल"** भी कहा जाता है।
  - **वैश्विक न्यूट्रिनो डिटेक्शन पहलें:** आइसक्यूब न्यूट्रिनो वेधशाला (**अंटार्कटिका**), सुपर-कमियोकांडे (**जापान**), आदि।
  - **भारत की पहलें: तमिलनाडु** में भूमिगत प्रयोगशाला में न्यूट्रिनो वेधशाला (INO)।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB)

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने **विनियामक अनुपालन में कोताही बरतने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) पर जुर्माना** लगाया है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के बारे में

- **स्थापना:** इसकी स्थापना 2018 में हुई थी। इस **बैंक की 100% हिस्सेदारी भारत सरकार के पास** है।
- **उद्देश्य:** IPPB का लक्ष्य **भारत के हर परिवार को बेहतर बैंकिंग सेवाएं** उपलब्ध कराना है।
- **मंत्रालय:** यह बैंक **संचार मंत्रालय के डाक विभाग** के तहत कार्य करता है।

अमोनिया प्रदूषण

हाल ही में, **यमुना बोर्ड** ने कहा कि **यमुना नदी में हर साल अमोनिया का स्तर** बढ़ जाता है। इसके तटीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस समस्या से निपटने के लिए समेकित रूप से कार्य नहीं करते हैं।

अमोनिया प्रदूषित जल

- भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार, **पेयजल में अमोनिया की स्वीकार्य अधिकतम मात्रा 0.5 पार्ट्स प्रति मिलियन (PPM)** होनी चाहिए।
- **अमोनिया प्रदूषण के कारण:** अधिक संख्या में फार्म पशुओं का पालन, सीमेंट मोर्टार पाइप लाइनिंग, अनुपचारित सीवेज को बहाना, आदि।
- बैक्टीरिया, सीवेज और पशु अपशिष्ट से **प्रदूषित जल में अमोनिया की अधिक मात्रा** दर्ज की जाती है।
- **स्वास्थ्य को खतरा:** अमोनिया प्रदूषण की वजह से आंख, नाक और गले में जलन के माध्यम से **श्वसन प्रणाली का प्रभावित** होना आदि।

अराकू घाटी

आंध्र प्रदेश की अराकू घाटी में **'चाली' (Chali) नामक अराकू महोत्सव** का आयोजन किया गया।

अराकू घाटी के बारे में

- **अवस्थिति:** यह **पूर्वी घाट** का हिस्सा है। यह **समुद्र तल से 600 मीटर से 900 मीटर की औसत ऊंचाई** पर स्थित है।
- **मुख्य विशेषताएं:**
  - **अनंतगिरि और सुंकरीमेट्टा आरक्षित वन** अराकू घाटी का हिस्सा हैं। इन वनों में **उच्च जैव विविधता** पाई जाती हैं। यहां **बॉक्साइट का खनन** किया जाता है।
  - इस घाटी को अक्सर **"आंध्र के ऊटी"** के रूप में जाना जाता है।
  - इस क्षेत्र में कई जनजातियां रहती हैं। इनमें **अराकू जनजाति** प्राथमिक जनजाति है।
  - यह क्षेत्र **अराकू अरेबिका कॉफी** के लिए प्रसिद्ध है। इस कॉफी ब्रांड को **2019 में भौगोलिक संकेतक (GI) टैग** दिया गया था।
  - यह घाटी **गलीकोंडा, रक्तकोंडा, सुंकरीमेट्टा और चितामोगोंडी** जैसे पहाड़ों से घिरी हुई है।

स्वरेल (SwaRail) ऐप

रेल मंत्रालय ने **'स्वरेल' नामक सुपर ऐप** विकसित किया है। यह रेलवे की **अलग-अलग सेवाओं को एक सिंगल प्लेटफॉर्म से जोड़ता है।**

स्वरेल के बारे में

- इस ऐप के जरिए आरक्षित टिकट, **अनारक्षित टिकट और प्लेटफ़ॉर्म टिकट बुकिंग जैसी सेवाएं** प्राप्त की जा सकती हैं।
  - इस ऐप का मुख्य फोकस **सहज और क्लीन यूजर इंटरफ़ेस (UI)** के साथ यात्रियों को बेहतर तरीके से सेवाएं प्रदान करना है।
- इस ऐप का विकास **रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (CRIS)** ने किया है।

यामानाका फैक्टर्स

OpenAI **ने प्रोटीन इंजीनियरिंग** में कदम रखते हुए एक मॉडल **'GPT-4b माइक्रो'** विकसित किया है। यह मॉडल **यामानाका फैक्टर्स को बढ़ाता** है।

यामानाका फैक्टर्स के बारे में

- **यामानाका फैक्टर्स चार विशिष्ट प्रोटीन-** Oct4, Sox2, Klf4 और c-Myc हैं। ये फैक्टर्स **ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स हैं, जो जीन एक्सप्रेशन को नियंत्रित** करते हैं। साथ ही, **सोमैटिक (वयस्क) कोशिकाओं को इंड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं (iPSCs)** में रीप्रोग्राम कर सकते हैं।
- **उपयोग:**
  - **पुनर्योजी चिकित्सा:** यामानाका फैक्टर्स का उपयोग करके उत्पन्न iPSCs किसी भी कोशिका प्रकार में विभाजित हो सकती हैं। इससे रोगों के लिए संभावित उपचार उपलब्ध हो सकते हैं।
  - **औषधि परीक्षण:** iPSCs औषधि की प्रभावकारिता और विषाक्तता के परीक्षण के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करती हैं।
- **खोज और मान्यता:** 2006 में **शिन्या यामानाका** द्वारा इसकी पहचान की गई थी। इन्हें **2012 में फिजियोलॉजी या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित** किया गया था।

ओपिओइड

अमेरिका के FDA ने **सुजेट्रिजिन** को मंजूरी दे दी है। यह मध्यम-से-गंभीर तीव्र दर्द के लिए अपनी श्रेणी का पहला गैर-ओपिओइड उपचार है।

ओपिओइड के बारे में

- **परिभाषा: ओपिओइड अफीम पोस्त में पाए जाने वाले प्राकृतिक पदार्थों से प्राप्त** की गई दवाएं हैं। इन्हें अफीम पोस्त में पाए जाने वाले प्राकृतिक पदार्थों की नकल करके भी तैयार किया जा सकता है।
- **सामान्य ओपिओइड के उदाहरण:** ऑक्सीकोडोन, मॉर्फिन, हेरोइन आदि।
- **प्राथमिक उपयोग:** दर्द से राहत।
- **लत:** यद्यपि ओपिओइड दर्द निवारक के रूप में प्रभावी हैं, फिर भी ये नशे की लत बन सकते हैं।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

रवांडा गणराज्य (राजधानी: किगाली)

रवांडा **समर्थित M23 सशस्त्र समूह दक्षिण की ओर आगे बढ़ा और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC)** के एक महत्वपूर्ण सैन्य हवाई अड्डे के पास पहुंच गया।

रवांडा गणराज्य के बारे में

- **भौगोलिक अवस्थिति**
  - रवांडा **पूर्व-मध्य अफ्रीका** में स्थित है।
  - **सीमाएं:** इसके उत्तर में **युगांडा**, पूर्व में **तंजानिया**, दक्षिण में **बुरुंडी** और पश्चिम में **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य** स्थित है।
- **भौगोलिक विशेषताएं**
  - रवांडा **ग्रेट रिफ्ट घाटी में स्थित एक स्थलरुद्ध** देश है, जहां **अफ्रीकन ग्रेट लेक क्षेत्र और पूर्वी अफ्रीका** मिलते हैं।
  - **पर्वत:** उत्तरी रवांडा में **विरुंगा** ज्वालामुखी पर्वत।
  - **झील:** किवु अफ्रीका की ग्रेट लेक्स में से एक है। यह **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के पश्चिम में तथा रवांडा के पूर्व** में स्थित है।
  - **नदियां:** कागेरा नदी; यह नील नदी की सबसे दूरस्थ मुख्य धारा है, जो रवांडा से होकर बहती है।